वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :4 अंक : 95 | सोमवार 29 जुलाई 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

जोधपुर की एक महिला ने जयपुर में दो जान बचाई

जयपुर. कासं

जयपुर के सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में आज हार्ट और किडनी ट्रांसप्लांट किए गए। दोनों अलग-अलग पेशेंट्स को लगाए गए। दरअसल, बाड़मेर की महिला जोधपुर एम्स में ब्रेन डेड हो गई थी। उसका हार्ट और एक किडनी जयपुर लाकर दो अलग-अलग महिलाओं को लगाई गई। हार्ट को ब्रेन डेड हुई महिला के शरीर से निकालकर दूसरी महिला के लगाने की पूरी प्रक्रिया में करीब 8 घंटे का समय लगा। इसमें हार्ट को जोधपुर से लाने का समय भी शामिल है। जयपुर एसएमएस मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल ने बताया- जोधपुर एम्स में भर्ती एक महिला अनिता (25) एक्सीडेंट के बाद इलाज के दौरान ब्रेनडेड हो गई थी। उसका हार्ट और एक किडनी आज ट्रांसप्लांट कॉर्डिनेटर रामरतन, लीलम और एसएमएस हॉस्पिटल के डॉक्टरों की टीम फ्लाइट के जरिए जयपुर लेकर पहुंची। यहां सीटीवीएस विभाग के सीनियर प्रोफेसर डॉक्टर राजकुमार यादव, डॉ. संजीव देवगढ़ा के साथ एनिस्थिसिया की टीम के डॉक्टर रीमा मीणा और अंजुम सैयद समेत अन्य डॉक्टरों की टीम ने यहां भर्ती पूजा सेन जिसका हार्ट खराब हो चुका था उसका ट्रांसप्लांट किया।

राज्यवर्धन बोले- बेटियों ने की ओलिंपिक की शुभ शुरूआत: कहा...

मनु की जीत से खिलाड़ियों के हौसले हुए अधिक बुलंद

जयपुर. कासं

ओलिंपिक की ओपनिंग सेरेमनी के दूसरे दिन ही पदक जितने को खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने भारत के लिए शुभ संकेत बताया है। उन्होंने कहा कि आज मनु भाकर के पदक जीतने के बाद वहां मौजूद सभी खिलाड़ियों के हौसले और ज्यादा बुलंद हो गए होंगे। मेडल जीतने के बाद सभी में एक पॉजिटिविटी डेवलप हुई होगी। इसका फायदा आने वाले दिनों में नजर आएगा। राठौड़ ने कहा कि इस ओलिंपिक की शुरूआत हमारी बेटियों ने की है। वूमेन पावर ने की है, यह भी हम सबके लिए बहुत शुभ संकेत है। इसलिए मैं ओलिंपिक में जाने वाले सभी खिलाड़ियों, कोच और मैनेजर को शुभकामनाएं देता हूं। मुझे उम्मीद ही नहीं बल्कि पूरा विश्वास है भारतीय खिलाड़ी इस बार वह ओलिंपिक में बहुत बेहतरीन प्रदर्शन कर भारत का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने कहा कि मनु भाकर ने 10 मीटर शूटिंग में ब्रोंज मेटल जीत भारत का नाम रोशन किया है, मैं उन्हें बहुत-बहुत शुभकामनाएं देता हूं। क्योंकि आज उनकी कई सालों की मेहनत रंग लेकर आई है। इसमें न सिर्फ मनु की बल्कि, उनके परिवार की भी काफी मेहनत रही होगी। उनके परिवार ने इस दिन के लिए काफी सैक्रिफिस किए होंगे। गौरतलब है कि पेरिस ओलिंपिक्स में भारतीय शूटर मनु भाकर ने इतिहास रच दिया है। उन्होंने विमेंस 10 मीटर एयर पिस्टल इवेंट

में ब्रॉन्ज मेडल जीता। ओलिंपिक के इतिहास में शूटिंग में मेडल दिलाने वाली मनु पहली भारतीय महिला हैं। उन्होंने फाइनल में 221.7 पॉइंट्स के साथ कांस्य जीता। 2021 के टोक्यो ओलिंपिक में मनु की पिस्टल खराब हो गई थी। 20 मिनट तक वे निशाना नहीं लगा पाईं। पिस्टल ठीक हुई, तब भी मनु सिर्फ 14 शॉट लगा पाईं और फाइनल की रेस से बाहर हो गईं थीं। मनु निराश थीं लेकिन उन्होंने वापसी की और पेरिस ओलिंपिक्स में भारत को मेडल दिलाया। इस इवेंट में कोरिया की ओह ये जिन ने गोल्ड जीता। उन्होंने 243.2 पॉइंट स्कोर करके ओलिंपिक रिकॉर्ड बनाया। कोरिया की ही किम येजी ने सिल्वर मेडल जीता।

शूटिंग में 12 साल बाद मेडल दिलाया

मनु भाकर ने भारत को ओलिंपिक में 12 साल बाद शूटिंग का मेडल दिलाया है। भारत को इस खेल में आखिरी ओलिंपिक मेडल 2012 में मिला था। यह शूटिंग में भारत का अब तक का 5वां मेडल है। राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने 2004 में सिल्वर, अभिनव बिंद्रा ने 2008 में गोल्ड और 2012 में विजय कुमार ने सिल्वर और गगन नारंग ने ब्रॉन्ज जीता था। जीत के बाद मनु ने कहा- 'मैं गीता बहुत पढ़ती हूं। इससे फोकस करने में मदद मिलती है। आज के मैच में मैंने आखिर तक टारगेट पर फोकस किया।

तीस से अधिक कलाकारों ने दी प्रस्तुति: मो.रफी 44वीं पुण्यतिथि पर संगीत आश्रम संस्थान में कलाकारों सुरों से सजाई शाम

जयपुर. कासं। बॉलीवुड के प्लेबैक सिंगर मो.रफी की 44वीं पुण्यतिथि पर संगीत आश्रम संस्थान की ओर से रविवार को शास्त्री नगर स्थित संस्थान परिसर में दीवाना हुआ बादल शीर्षक से सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया गया । समाजसेवी व वरिष्ठ कलाकार तारा चंद जैन ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण का कार्यक्रम की शुरूआत की। गिटार वादक वत्सल अनुपम के निर्देशन में सजे इस कार्यक्रम में करीब तीस से अधिक बाल व युवा कलाकारों ने गायक मो.रफी के गाए सदाबहार गीतों की खूबसूरत प्रस्तुतियां देकर

मौजूद अनेक श्रोताओं को आनंदित कर दिया। कार्यक्रम में पुष्पेन्द्र सिंह ने क्या हुआ तेरा वादा..., विमर्श स्वामी ने आजकल तेरे मेरे प्यार के चर्चे..., जयति कुमारी ने दीवाना हुआ बादल..., रियाशीं गोयल ने इशारों इशारों में..., वनिता हीरानी ने बार बार देखो..., रजनी कुमावत ने तेरे मेरे सपने..., गर्विता मंगल ने मन तड़पत आज..., कशिश कंवर ने आजा तेरी याद... जगदीश जीनगर ने मेरे दुश्मन तू..., मिंटू मंडल ने आने से उसके आए..., जीनस कंवर ने झिलमिल सितारों का... अंजली शर्मा ने जो वादा किया वो..., आदित्रि मुखर्जी ने लिखे जो खत..., भूमिका राठौर ने अच्छा जी...जैसे गीतों की सुरमयी प्रस्तुति दी।

ट्री गार्ड सहित 61 पौधे लगाए

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। शहर के हनुमानगढ़ रोड स्थित निमार्णाधीन सब्जी मंडी में आज सुबह टीम कप्तान ऐलनाबाद व टीम सोशल वर्क के सहयोग से सब्जी मंडी में ट्री गार्ड सहित 61 पौधे लगाए इसमें शहर के समाजसेवी लोगों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया टीम कप्तान के भंवरलाल सिकरिया, विजय जांगड़ा,टीम सोशल वर्क के बबलू खींचवानिया, राधेश्याम बागड़ी अन्य समाजसेवी लोगों ने भी सहयोग किया। टीम सोशल वर्क के बबलू खींचवानिया ने कहा कि प्राण वायु के बिना कोई भी प्राणी जिंदा नहीं रह सकता' वर्तमान में विकास की अंधी दौड़ और आधुनिकता की चकाचौनध दुनिया में आपसी होड़ लगी हुई है 'विकास के साथ विनाश जारी है,हर क्षेत्र में प्रकृति का दोहन किया जा रहा है वनों की कटाई करके कंक्रीट की अटालिकाएं बनाई जा रही है आज का मानव बेहद स्वार्थी बन गया है इसी प्रकार पेड़ कटते रहे तो मानवता के विनाश को रोक पाना मुश्किल होअतः जाएगा ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाए।

अरिहंत प्रभु हैं दुनिया के सबसे बड़े साइंटिस्ट : मुनि श्री समत्व सागर

बच्चों व युवाओं ने सीखी जीवन जीने की कला

जयपुर. शाबाश इंडिया

टोंक रोड स्थित कीर्ति नगर जैन मंदिर में रविवार को युवाओं व बच्चों के लिए हुए सेशन मे परम पूज्य आचार्य श्री 108 विशुद्ध सागर के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री 108 समत्व सागर जी महाराज ने जैन शिक्षा व सिद्धांतों के माध्यम से अपने जीवन को कैसे बदल सकते है और जीवन को सुखमय कैसे बनाए,इसके गुर सिखाए। इस मौके पर मुनिश्री ने कहा कि दुनिया के सबसे बड़े साइंटस्टि वो है अरिहंत प्रभु,जिनका सानिध्य आज हम सभी को मिले रहा है। जो व्यक्ति अपने जीवन में जैनधर्म की लाइफ स्टाइल अपना लेता है,वह जीवन में सदैव सुखी रहता है। जो व्यक्ति मंदिर जाता है, कभी टेंशन में नहीं रहता है,साथ ही व्यक्ति का मानसिक तनाव भी दूर रहता है। हैल्थ सिस्टम से केवल बाहरी रोगों का निवारण कर सकते हैं,अगर हम सभी को अपने जीवन को तनावमुक्त बनाना है, तो यह सभी जिनदर्शन दूर हो सकते है,सुबह यदि बुरा चेहरे देखोगे दिन खराब जाएगा,इसलिए दिन को सफल बनाने के लिए दिन की शुरूआत प्रभु के दर्शन से करनी चाहिए। जीवन में यदि आनंद लेना है तो आनंदित व्यक्ति के पास जाओ पर दुनिया के आनंदित व्यक्ति है हमारे दिगबर मुनिराज,जहां से हमें आनंद की अनुभूति होती है। एजुकेशन व्यवस्था के बारे में बताते हुए मुनिश्री ने कहा कि आज कोई भी डिग्री प्राप्त करना चाहता है तो वह देखता है कि कौनसा एजुकेशन सिस्टम पुराना है,जहां से यह सिस्टम शुरू होता है,लेकिन यह भी सच्चाई कि दुनिया की सबसे पुरानी शिक्षा है तो वह जैन शिक्षा है,यह शिक्षा आज से नहीं है बल्कि भगवान आदिनाथ के समय से है। भगवान आदिनाथ ने पुरुषों के लिए 72 विद्याए व महिलाओं के लिए 64 विद्याएं बताई। यह विद्याएं आज भी मनुष्य अपने जीवन में व्यापार सहित अन्य क्षेत्रों में उपयोग कर रहा है,इसी तरह महिला आज से नहीं बल्कि भगवान आदिनाथ के समय से ही है जब भगवान आदिनाथ ने अपनी पुत्री ब्राहमी को शब्द यानि वर्ण व सुंदरी को अंक विद्या सिखाई। उन्होंने आगे कहा कि जैनधर्म के सिद्धांत हमारे जीवन के लिए बहुत ही अनुकरणीय है,जिनको अपनाकर हम अपने जीवन को मूल्यवान बना सकते है लेकिन आज हम खुद ही अपने मूल्य व संस्कार को खोते जा रहे है और खोखली लाइफ स्टाइल की चकाचौंध में फंसकर स्वयं के स्वास्थ्य की खराब करते आ रहे हैं।

भक्तिभाव से हुई 45 आगम महापूजन

जयपुर. शाबाश इंडिया। गलता गेट स्थित मोहनबाड़ी जैन मंदिर के श्री ऋषभ जिन प्रासाद के मोहक परिसर में रविवार को मरुधर ज्योति परम पूज्य मणिप्रभा श्रीजी महाराज साहब के सानिध्य में 45 आगम महापूजन का भव्य आयोजन हुआ इस दौरान गूंज रही भजनों की स्वर लहरियों से वातावरण भक्ति और आस्था के रंग में सराबोर नजर आया। सह मंत्री सुशील मूसल ने बताया कि सबसे पहले आगम वरघोड़ा निकला,इस दौरान वरघोड़ा में काफी संख्या में लोग शामिल हुए।इस दौरान वरघोड़ा में शामिल श्रद्धालु सिर पर आगम ग्रंथ लेकर लेकर व जयकारे लगाते हुए चल रहे थे। यह वरघोड़ा निकला परिसर की परिक्रमा लगाकर कार्यक्रम स्थल पहुंचा,जहां पर 45 आगम महापूजन की गई। ऐसे 45 आगम महापूजन में 45 परिवारों ने 45 आगम ग्रंथों की पूजा का लाभ लिया। मुख्य पीठिका के लाभार्थी महावीर डागा रहे। पूजा विधिकारक इंदौर अरविंद चोरडिया रहे,जिन्होंने विधिविधान से यह पूजा संपन्न करवाई। इस पूजन का बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया।

आदिनाथ जैन मंदिर में हुआ भक्तामर स्त्रोत का पाठ

जैन पैदल यात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में हुआ आयोजन

जयपुर। जैन पैदल यात्रा संघ, जयपुर के तत्वावधान में रविवार दोपहर 1 से शाम 7 बजे तक टोंक रोड, नारायण सिंह सर्किल स्थित आदिनाथ जैन मंदिर भटारकजी की नसिया में धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संयोजक अनिल जैन ने बताया कि दोपहर 1 बजे से भक्तामर पाठ का आयोजन हुआ। उन्होंने बताया कि भक्तामर पाठ के 48 श्लोकों के लिए 48 जोड़े बनाए गए। इसके बाद 48 दीप प्रज्ज्वलित किए गए और 48 दीपों के साथ भक्तामर स्त्रोत का पाठ किया गया। भक्तामर के प्रत्येक श्लोक पर प्रत्येक जोड़े के द्वारा दीपक वेदी पर रखा गया। इस अवसर पर गायक कलाकार अशोक जैन गंगवाल ने सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियों के साथ भक्तामर के 48 काव्य गाए। गंगवाल ने रोम-रोम से निकले जिनवर नाम तुम्हारा, मेरी झोपड़ी के भाग आज खुल जाएंगे और ओ गुरुसा थारो चेलो बनूं मैं जैसे सुमधुर भजनों की प्रस्तुतियां दे भजनानुरागियों को भावविभोर कर दिया। कार्यक्रम का समापन शाम को भोजन-प्रसादी के बाद हुआ।

उत्तरी भारत विज्ञान नाटक प्रतियोगिता में खण्ड स्तर पर समसारा पब्लिक स्कूल ने पाया प्रथम स्थान

रमेश भार्गव. शाबाश इंडिया

ऐलनाबाद। गत 26 जुलाई को संपन्न हुए खंड स्तरीय ड्रामा प्रतियोगिता में समसारा पब्लिक स्कूल शेखूखेड़ा की छात्राओं ने अपनी प्रतिभा व अच्छे प्रदर्शन से खंड स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय को गौरवानित किया। यह ड्रामा प्रतियोगिता शिक्षा विभाग के अंतर्गत उत्तरी भारत विज्ञान नाटक प्रतियोगिता एनआईएसडीएस 2024- 25 के तहत प्रदेश में तीन चरणों क्रमशः खंड स्तर ,जिला स्तर व राज्य स्तरीय प्रतियोगिता करवाई जाती है जो की प्रथम चरण के तहत राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय (बालिका) ऐलनाबाद में संपन्न हुई ड्रामा कॉन्टेस्ट में स्थानीय विभिन्न विद्यालयों से लगभग 15 टीमों ने भाग लिया। जिसमें समसारा पब्लिक स्कूल शेखूखेड़ा से विधालय की छात्राओं सवनीत कौर, गुरजोत कौर, कर्मवीर कौर, नवनीत कौर, जैसमीन कौर, जसप्रीत कौर, अमन कौर, एकम प्रीत माही विद्यालय की अध्यापिका कमलप्रीत कौर चीमा व रमनप्रीत कौर की देख-रेख तथा विद्यालय के डायरेक्टर कशिश मेहता के मार्गदर्शन में हिस्सा लेते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय की छात्रा नवदीप रानी ने भी इसी कार्यक्रम के तहत कृत्रिम बुद्धिमत्ताः संभाव्य और सरोकार विषय पर साइंस सेमिनार में बेहतर प्रदर्शन किया।

मन में रखे दया,करूणा व अहिंसा का भाव,खुल जाएंगे मोक्ष के द्वारः कंचनकंवरजी म.सा.

पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में सामूहिक एकासन तप की आराधना

सुनील पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में श्रीसंघ महावीर भवन बापूनगर के तत्वावधान में तीन दिवसीय समारोह के दूसरे दिन रविवार को श्रमण संघ के प्रथम युवाचार्य पूज्य श्री मिश्रीमलजी म.सा.ह्यमधुकरह्ल के प्रधान सुशिष्य उप प्रवर्तक पूज्य विनयमुनिजी म.सा.ह्यभीमह्ल की आज्ञानुवर्तिनी शासन प्रभाविका पूज्य महासाध्वी कंचनकुंवरजी म.सा. आदि ठाणा के सानिध्य में सामूहिक एकासन तप की आराधना की गई। सामूहिक एकासन से पूर्व धर्मसभा में साध्वी कंचनकंवरजी म.सा. ने कहा कि चातुर्मास के चार माह जीवन से निकाल दिए जाए तो वर्ष के शेष आठ माह हमारे किसी कार्य के नहीं रह जाएंगे। चातुर्मासकाल में जो धर्म साधना करेंगे उसका लाभ पूरे वर्ष हमे मिलेगा इसलिए जिनवाणी श्रवण करने ओर धर्म साधना करने का जो अवसर हमे मिला है उसका भरपुर लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि दया,करूणा व अहिंसा का भाव हमारे मन में हमेशा रहना चाहिए। इन भावों के रहने पर ही इंसान की मुक्ति का मार्ग खुलता है। मन में करूणा भाव रखे बिना हम दूसरों को अपना नहीं बना सकते। जिसके मन में करूणा व दया के भाव रहते है वह कभी गलत कार्य नहीं कर पाएगा। धर्मसभा में प्रखर वक्ता साध्वी डॉ.सुलोचनाश्री म.सा. ने कहा कि जीवन में बदलाव आते है लेकिन धर्म का मर्म हमेशा वहीं रहता है। जो धर्म से जुड़ा रहता है वह सुख हो या दुःख समभाव में रहना सीख हर कठिन परिस्थिति का भी कुशलतापूर्वक सामना कर लेता है। धर्म की शरण लेने वाले के जीवन में मुश्किले आकर चली जाती लेकिन उसका जीवन सहजतापूर्वक चलता है। जिनवाणी श्रवण करने का अवसर पुण्योदय से मिलता है इसलिए इसे छोड़ना नहीं चाहिए। मधुर व्याख्यानी डॉ. सुलक्षणाश्री म.सा. का भी सानिध्य प्राप्त हुआ। धर्मसभा में श्री पार्श्वनाथ नवयुवक मण्डल सेवा समिति के तत्वावधान में संचालित जैन पाठशाला के उन बच्चों को पुरस्कृत किया गया जिन्होंने सामयिक सूत्र एवं प्रतिक्रमण कंठस्थ कर लिया। इनमें दिवि डागा,मीरव डागा, सिद्धिका खाब्या, जियांशी संचेती, भाविका खमेसरा, हर्ष पामेचा, रूतवी पामेचा, श्रेयांश गुगलिया आदि बच्चें शामिल थे। पुरस्कार श्रीसंघ के महामंत्री दलपत सेठ कुसुम सेठ एवं परिवार की ओर से दिए गए। पाठशाला में बच्चों को धर्मज्ञान प्रदान करने वाली सुश्राविका पूनम संचेती ने अधिकाधिक बच्चों को भिजवाने की अपील की। प्रवचन के अंत में सामूहिक एकासन तप कर रहे श्रावक-श्राविकाओं ने प्रत्याख्यान लिए। प्रवचन के बाद प्रश्नमंच प्रतियोगिता हुई जिनमे कई श्रावक-श्राविकाओं ने भाग लिया। दोपहर 12.15 बजे महावीर भवन में सामूहिक एकासन का आयोजन किया गया। एकासन की व्यवस्था में श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा, उपाध्यक्ष प्रकाश नाहर, चंदनबाला महिला मण्डल की अध्यक्ष आशा चौधरी, मंत्री रेखा नाहर, पार्श्वनाथ नवयुवक मंडल के मंत्री कुलदीप गुगलिया आदि ने भी सहयोग प्रदान किया। एकासन के लाभार्थी चंचलमल, ललितकुमार,सुनीलकुमार कर्णावट परिवार रहा। श्रीसंघ के संरक्षक लादूलाल बोहरा ने बताया कि पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. की पुण्यस्मृति में तीन दिवसीय समारोह के अंतिम दिन सोमवार को सुबह 9 बजे से महासाध्वी मण्डल के सानिध्य में गुणानुवाद सभा का आयोजन कर पूज्य गुरूणी कानकंवरजी म.सा. के प्रति भाव अभिव्यक्ति की जाएगी। पूज्य कंचनकंवरजी म.सा. ने इस अवसर पर सभी को दो-दो सामायिक का लाभ लेने की प्रेरणा दी है।

वेद ज्ञान

ईश्वर को देखा नहीं जा सकता

भौतिक विज्ञानवादी जिस शक्ति को प्रकृति मानते हैं, उसे अध्यात्मवादी ईश्वर कहते हैं। मतभेद ईश्वर के गुण, कर्म और स्वभाव के संबंध में है। ऐसे मतभेद तो प्रायः सभी समूहों में मिल जाते हैं, परंतु उन्हें अनीश्वरवादी नहीं कहा जाता। फिर भौतिक विज्ञानवादियों को नास्तिक कहना उचित न होगा। ईश्वर को हम इंद्रियों से अनुभव नहीं कर सकते तो भी यह कहना अनुचित होगा कि ईश्वर नहीं है। बहुत सी वस्तुओं को हम प्रत्यक्ष अनुभव नहीं करते तो भी अनुमान के आधार पर उनका अस्तित्व स्वीकार करना पड़ता है। यह बात हम इंद्रियों की सहायता से नहीं जान सकते, आंखों से भी नहीं देख सकते तो भी अनुमान यह कहता है कि उसको बनाने वाला अवश्य रहा होगा। ईश्वर को छुआ या देखा नहीं जाता तो भी उसकी कृतियां पुकार-पुकार कर साक्ष्य दे रही हैं कि हमारा रचयिता कोई न कोई अवश्य है। अपने स्वल्प ज्ञान के द्वारा बुद्धि और इंद्रियों की सहायता से हमें विश्व ब्रह्मांड का थोड़ा-बहुत परिचय प्राप्त होता है। समस्त सृष्टि इतनी विस्तीर्ण है कि बुद्धि की वहां तक पहुंच नहीं हो पाती। यह महान रचना किसी न किसी निर्माता की कृति है। बिना व्यवस्था के तो हमारे छोटे-छोटे काम भी नहीं चलते, फिर इतनी बड़ी सृष्टि का काम बिना किसी संचालन के किस प्रकार चल सकता है। सूर्य, चंद्र, पृथ्वी, ग्रह, नक्षत्र, इतने नियमबद्ध हैं कि कभी एक सेकेंड का भी फर्क नहीं पड़ता। दिन के बाद रात होने की श्रृंखला कभी टूट नहीं पाती। बचपन के बाद जवानी, फिर वृद्धावस्था आती है। उन मूल नियमों के समझने वाले तत्वज्ञानी विवेकवानों को समस्त सृष्टि में एक रंचमात्र भी अव्यवस्था दृष्टिगोचर नहीं होती। स्पष्ट है कि इस सुव्यवस्थापूर्वक संचालित सृष्टि को चलाने वाला कोई अवश्य होना चाहिए। मोटर, जहाज या रेल को बनाने वाला और चलाने वाला कोई विवेकवान मनुष्य होता है। उसी प्रकार इस सृष्टि को बनाने और चलाने वाली शक्ति भी ईश्वर है। आज विज्ञानवादियों को यह मानना पड़ रहा है कि जड़ तत्व ही सृष्टिकर्ता नहीं है वरन यह पंचभूत भी एक आद्यशक्ति की धाराएं हैं। वह आद्यशक्ति अंधी, जड़ नहीं, बल्कि विवेकवान, फलवान, व्यवस्था रखने वाली, संशोधन करने वाली और संतुलन को ठीक बनाए रखने वाली भी है।

संपादकीय

आधुनिक्ता के दौर में अकेलेपन का दंश

सभ्यता के विकास-क्रम में कायदे से होना यह चाहिए था कि सामाजिकता की जड़ें मजबूत हों और सरोकार की संवेदना को ज्यादा से ज्यादा जगह मिले। मगर आधुनिक समाज में नए-नए तकनीकों के सहारे रोज आधुनिक होती दुनिया में मनुष्य की पहुंच का दायरा तो विस्तृत हुआ है, मगर इसी क्रम में एक नई समस्या यह पैदा हुई है कि हजारों मील दूर किसी व्यक्ति से रिश्तों के आभासी तार जोड़ने वाला कोई इंसान वास्तविक समाज के साथ जुड़ाव को महसूस करने की संवेदना खोता गया। यह बेवजह नहीं है कि बहुत सारे लोग अकेलेपन के दंश को अलग-अलग रूप में झेलते हैं, मगर इसकी वजहों और हल को लेकर उनके भीतर कोई स्पष्टता नहीं बन पाती। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस स्थिति को ''जुड़ाव न महसूस करने के सामाजिक दर्द'' रूप में परिभाषित किया है। अगर कोई व्यक्ति इस समस्या के जाल में खुद को फंसा हुआ पा रहा है और उसके प्रति सहज या अनुकूलित होता जा रहा है, तो इससे ऐसे व्यक्ति की मानसिक और शारीरिक सेहत में तेज गिरावट हो सकती है। एक शोध में इसका आकलन इस रूप में किया गया है कि सामाजिक जुड़ाव की भावना का अभाव हर रोज पंद्रह सिगरेट पीने के बराबर का स्वास्थ्य जोखिम पैदा करता है। दरअसल, अलग-अलग कारणों से अपने दायरे में सिमटते जा

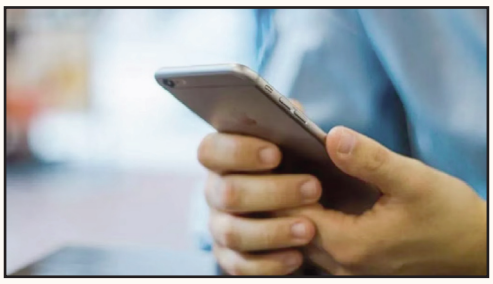

रहे लोग न केवल सामूहिकता बोध से वंचित हो रहे हैं, बल्कि कई गंभीर बीमारियों को पलने का मौका दे रहे हैं। अफसोस यह है कि स्मार्टफोन या आधुनिक यंत्रों को बहुत सारे लोग आज अपने सामाजिक संबंधों के दुनिया भर में विस्तृत होने का जरिया मानते हैं। मगर इंटरनेट पर लोगों की फैलती दुनिया कितनी आभासी है, इसका पता तब चलता है, जब किसी गंभीर मानसिक या शारीरिक परेशानी में लोग फंसते हैं और उस समय उन्हें वास्तविक दुनिया के मनुष्यों की जरूरत होती है। तब उन्हें अपने परिजन, रिश्तेदार, करीबी दोस्त याद आते हैं, जो उसे इस संजाल से निकलने में मदद कर सकते हैं। मगर तकनीक आधारित कथित आधुनिकता के मूल्यों और उसमें सिमटती दुनिया में लोग लगातार भीड़ में अकेले पड़ते जा रहे हैं। इसलिए जरूरी है कि लोगों के बीच प्रत्यक्ष रूप से आपसी मेलजोल बढ़े, सहयोग पर आधारित सामाजिकता बोध की भावना मजबूत हो।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

उम्मीद का मैदान

पिछले कुछ समय से खेलों की दुनिया में भारतीय खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से जो उम्मीद जगाई है, उसे देखते हुए स्वाभाविक ही यह अपेक्षा होगी कि आज से फ्रांस के पेरिस में शुरू हो रहे ओलंपिक में भारत का नाम फिर चमकता हुआ दिखे। दरअसल, अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में कई खेलों में हमारे खिलाड़ियों ने जैसा दमखम दिखाया, पदक तालिका में देश को एक सम्मानजनक जगह दिलाई, उसने देश के लोगों के भीतर खेलों को लेकर एक नया उमंग भर दिया है। 2020 में टोक्यो में हुए ओलंपिक में भारत ने सात पदक हासिल किए थे। यह ओलंपिक प्रतियोगिताओं में भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। जाहिर है, इस बार न केवल देश के लोगों को इससे ज्यादा पदक जीतने की उम्मीद होगी, बल्कि खुद भारतीय खिलाड़ियों का भी लक्ष्य यही होगा कि अपने पदकों की संख्या को कम से कम दस के पार ले जाया जाए। हालांकि ओलंपिक में शामिल होने वाले सभी देश अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन और पदकों पर कब्जा जमाने के मकसद को ध्यान में रखते हुए ही तैयारी करते हैं। मगर हाल के वर्षों में कई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों के प्रदर्शन में गुणात्मक सुधार के मद्देनजर काफी संभावनाएं दिख रही हैं। गौरतलब है कि इस बार पेरिस ओलंपिक में भारत की ओर से एक सौ सत्रह एथलीट हिस्सा लेने पहुंचे हैं। इन खिलाड़ियों को यह ध्यान रखने की जरूरत है कि हौसला किसी भी मैदान में हाथ से छूटती बाजी को लपक लेने का सबसे बड़ा हथियार होता है। पिछले ओलंपिक में भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने जिस तरह स्वर्ण पदक जीता था, अब इस ओलंपिक में भी उनसे बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। इसके अलावा, तीरंदाजी, कुश्ती, हाकी और बैडमिंटन में भारतीय खिलाड़ियों से पदक की अपेक्षा की जा सकती है। यह भी देखने की बात होगी कि पिछले साल एक अप्रिय विवाद से गुजरने के बाद कुश्ती

में भारतीय खिलाड़ी क्या ला पाते हैं। यह सही है कि अंतरराष्ट्रीय स्तर की इस सबसे चुनौतीपूर्ण प्रतियोगिता में भारत के लिए चुनौती भी बड़ी है। मगर उम्मीद की जानी चाहिए कि अलग-अलग खेलों में भाग लेने वाले खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देने वाले प्रबंधन ने इस स्तर की तैयारी कराई होगी कि पदक तालिका में भारत को एक सम्माजनक जगह हासिल करने की संभावना बनेगी।

गुजरात के गृह राज्य मंत्री शहर्ष संघवी के हाथों महावीर इंटरनेशनल के 'कपड़े की थैली मेरी सहेली' बैनर का अनावरण

सूरत. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल वापी के पदाधिकारी आज रविवार दिनांक 28 जुलाई 2024 को महावीर इंटरनेशनल के ग्रीन इंडिया प्रॉजेक्ट द्वारा प्रसारित 'कपड़े की थैली मेरी सहेली' अभियान से जुड़ा बेनर अनावरण कराने हेतु सूरत पहुंचे। बैनर का अनावरण सूरत के वेसु रोड़ स्थित व किशोर भन्साली द्वारा संचालित 'एनकवाला ऑप्टिकल स्टोर' में गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने किया। इस अवसर पर महावीर इंटरनेशनल के अंतर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीर गणपत भंसाली, भगवान महावीर यूनिवर्सिटी सूरत के ट्रस्टी व महावीर इंटरनेशनल सूरत मुख्य शाखा के उपाध्यक्ष वीर प्रो डॉ संजय जैन, महावीर इंटरनेशनल वापी के चेयरमैन वीर मुकेश वागरेचा, पूर्व चेयरमैन व फाउंडर वीर रमेश कोठारी, व एडवाइजर वीर संजय भंडारी, वीर दिपेश कोठारी तथा महावीर इंटरनेशनल सूरत वीरा दृष्टि की चेयरपर्सन वीरा निशा सेठिया, वीरा विमला भंसाली आदि वीर-विराएं मौजूद थे।

जीवन को सार्थक बनाने के लिए राग, द्वेष जैसे कषायों से मुक्त होना जरूरी- आचार्य सुंदरसागर महाराज

पवित्र भावों से करें भगवान की भक्ति तो मिलेगा सुफलः मुनि शुभकीर्ति

भीलवाड़ा. शाबाश इंडिया

जीवन में गुण स्थान उपर उठाने है तो राग,द्वेष, अभिमान, अहंकार आदि से मुक्ति पानी होगी। इनसे मुक्त होने पर हमारे आत्मकल्याण का पथ प्रशस्त होता है। इसके विपरीत जिनके जीवन में राग,द्वेष, मोह आदि बढ़ रहे होते तो उसका गुणस्थान में पतन होकर वह दुर्गति की तरफ अग्रसर होता है। हमे गति सुधार गुणस्थान में उपर जाना है तो अवगुणों का त्याग कर सद्गुणों को अपने जीवन में स्थान देना होगा। ये विचार शहर के शास्त्रीनगर हाउसिंग बोर्ड स्थित सुपार्श्वनाथ पार्क में श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के तत्वावधान में चातुर्मासिक(वषायोग) प्रवचन के तहत रविवार को राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज ने व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मोह ओर योग के माध्यम से हुए आत्मा के परिस्पंदन से आपके भावों की दशा तय होगी जो आपके गुणस्थान को भी तय करेंगे। हमारे भावों की परिणीति कहां जा रही यह हमे कोई दूसरा नहीं बताएगा इसे जांचने ओर मापने के लिए थमार्मीटर का कार्य हमे स्वयं करना होगा। आचार्यश्री ने कहा कि श्रेष्ठ गुणस्थान की प्राप्ति करनी है तो जीवन में कषाय कम करते हुए राग द्वेष पर नियंत्रण करने का पुरूषार्थ करना होगा। अपने योग यानि मन,वचन ओर काया को प्रभु चरणों में समर्पित करना होगा। समर्पित भाव से सच्चे मन से की गई प्रभु की भक्ति ही हमारे जीवन को सार्थक बनाएगी। इससे पूर्व मुनि शुभ कीर्ति सागर ने धर्मसभा में उन नियमों के बारे में समझाया जिनकी पालना गृहस्थ जीवन में रहते हुए करनी चाहिए। इनमें भी दान ओर पूजा का विशेष महत्व बताते हुए कहा कि इनको समझने पर जीवन में धर्म का मर्म समझ सकते है। दान करने पर व्यक्ति का पैसा कभी कम नहीं होता बल्कि पुण्य कार्यो में उसे लगाने पर हमारी रिद्धि सिद्धी बढ़ती जाती है। पूजा करना आ जाए तो हम भगवान की भक्ति पूर्ण विधिविधान से करने के साथ पुण्यार्जन भी कर सकेंगे। भगवान की पूजा व भक्ति के लिए दिखावा नहीं मन के पावन व पवित्र भाव जरूरी होते है। भगवान भक्त की भावना को देखता है ओर उस पर कृपा करता है। धर्मसभा का संचालन पदमचंद काला ने किया। राष्ट्रीय संत दिगम्बर जैन आचार्य पूज्य सुंदरसागर महाराज के भीलवाड़ा चातुर्मासिक आगमन के बाद से ही उनके मुखारबिंद से जिनवाणी श्रवण करने के लिए प्रतिदिन सैकड़ो श्रावक-श्राविकाएं उमड़ रहे है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्रवचन लाभ पाने के लिए श्रावक- श्राविकाएं सुपार्श्वनाथ पार्क पहुंच रहे है। आचार्यश्री धर्म के मर्म को समझाने के साथ व्यवहारिक जीवन से जुड़ी समस्याओं की चर्चा करने के साथ उनका समाधान भी बताते है। श्री महावीर दिगम्बर जैन सेवा समिति के अध्यक्ष राकेश पाटनी ने बताया कि धर्मसभा के प्रारंभ में श्रावकों द्वारा पाद प्रक्षालन, शास्त्र भेंट किया गया।

निःशुल्क हड्डी रोग जांच शिविर में 82 लाभन्वित

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया

महावीर इंटरनेशनल कुचामन सिटी के तत्वावधान में श्रीमती गुणमाला देवी कमलकुमार पाण्ड्या के सौजन्य से 21वां निःशुल्क हड्डी, जाँच जॉइन्ट, लिगामेंट, घुटना रिप्लेसमेंट सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. जितेश जैन (राजस्थान हॉस्पिटल, जयपुर) अरिहंत हेल्थ केयर सेन्टर राजकीय चिकित्सालय के पास आयोजित किया गया। शिविर संयोजक वीर अशोक कुमार गगंवाल, वीर जीवन सिंह वीर, सोहनलाल वर्मा, वकील वीर रतन प्रधान, डाक्टर जितेश जैन, दानदाता परिवार से वीर कैलाश चन्द पाडंया ने शिविर शुभारंभ किया। सचिव वीर अजीत पहाड़िया ने बताया कि शिविर मे 82 लोगो ने परामर्श लिया एक्सरे व रक्त सम्बंधित जांचें निःशुल्क की गई। नरेश जैन के अनुसार शिविर में वीर रामावतार गोयल, वीर संदीप, निर्मल पाडंया, वीर तेज कुमार बड़जात्या, वीर सुरेन्द्र सिंह दीपपुरा, वीर नदकिशौर बिडसर, वीर राजकुमार सोनी जिलीया, वीर प्रदीप काला, वीर भानुप्रकाश ओचित्य, वीर पारस पहाड़िया, महेश लढा, बोदु कुमावत, चन्दु ने शिविर में सराहनीय सहयोग किया गवर्निंग काउंसिल मेम्बर वीर सुभाष पहाड़िया ने सभी सहयोगकर्ताओं के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। **-वीर सुभाष पहाडिया**

रामलक्ष्मण मीणा को पश्चिम बंगाल राज्य में राष्ट्रीय स्तर पर महादेव रक्तक्रांति सम्मान से किया सम्मानित

रामलक्ष्मण मीणा ने सामान्य चिकित्सालय बूंदी का किया नाम रोशन

बूंदी. शाबाश इंडिया। सामान्य चिकित्सालय बूंदी व संस्थापक रक्तदान जीवनदान टीम बूंदी के ब्लड डोनर रामलक्ष्मण मीणा नर्सिंग ऑफिसर को रक्तदान व सामाजिक क्षेत्र में कार्य करने पर राष्ट्रीय स्तर पर महादेव सेवा फाउंडेशन आसनसोल, पश्चिमी बंगाल राज्य में 28 जुलाई 2024 को महादेव रक्तक्रांति सम्मान से सम्मानित किया गया। यह कार्यक्रम महादेव सेवा फाउण्डेशन के पदाधिकारी प्रेसिडेंट रमेश भगत, वाइस प्रेसिडेंट उपेन्द्र ओरंग,सेक्रेट्री अविराज प्रकाश शर्मा, एडवाइजरी सुदीप पाण्डेय आदि द्वारा राष्ट्रीय संस्था महादेव सेवा फाउंडेशन के सहयोग में राजू राउत, विक्रम बरनावाल, राधेश्याम पांडेय, रवि सिंह द्वारा भारत देश के रक्तवीरो के लिए सम्मानित समारोह आयोजित किया गया।

आचार्य आर्जव सागर महाराज ससंघ का भव्य चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव संपन्न

सौरभ जैन. शाबाश इंडिया

पिड़ावा। सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में संत शिरोमणि आचार्य भगवान 108 श्री विद्यासागर महाराज से दीक्षित पुज्य आचार्य 108 श्री आर्जव सागर महाराज, मुनि भाग्यसागर, मुनि महंत सागर, मुनि विभोर सागर, मुनि सजग सागर ,मुनि सानंद सागर ससंघ का 37 वां मंगल कलश की स्थापना व क्षुल्लक 105 श्री नेगम सागर महाराज की मंगल कलश स्थापना श्री सांवलिया पार्श्वनाथ अतिशय क्षेत्र दिगंबर जैन बड़ा मंदिर पिड़ावा में की गई। समाज प्रवक्ता मुकेश जैन चेलावत ने बताया कि इस अवसर पर महाराज श्री ससंघ को बेण्ड़ बाजो व दिव्य घोष के साथ बड़े मंदिर से सेठान मौहल्ला होते हुवे खण्डुपुरा, नई सब्जी मंडी होते हुवे त्रिलोक पैलेस परिसर में समाज संघ के साथ लेकर आए। जहां पर मंगलमय मंगलाचरण के साथ कार्यक्रम शुरू किया गया। जिसमें कई धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जैन धर्म में चातुर्मास का है बहुत महत्व

जैन धर्म में चातुर्मास का बहुत महत्व है चार महीने जिसे साधु विधि पूर्वक एक ही स्थान पर बिताते हैं। चातुर्मास शब्द का मूल अर्थ है वर्षा योग ग्रामों, नगरों में वर्षा ऋतु में श्रमण, साधु, उपाध्याय, आचार्य एक स्थान पर चार महीने तक व्यतीत करते हैं इसे चातुर्मास कहते हैं।

इन भक्तों को मिला चातुर्मास हेतु मंगल कलश स्थापना का सौभाग्य

जैन संत आचार्य आर्जव सागर महाराज ससंघ का भव्य चातुर्मास मंगल कलश स्थापना महोत्सव में महाराज जी की पाग पक्षालन का सोभाग्य कोमल चन्द जैन, मनोज कुमार जैन, धर्मेन्द्र जैन,सत्येंद्र जैन परिवार पिड़ावा, शास्त्र भेंट का सौभाग्य रामगंजमंडी, पिड़ावा, झालावाड़, सुसनेर को प्राप्त हुआ व श्रावक श्राविकाये द्वारा भक्ति भाव से संगीत मय पूजन कर अर्घ्य चढाये गये और मंगल कलश की स्थापना की गई। जिसमें प्रथम कलश अजेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार परिवार नयापुरा पिड़ावा, द्वितीय कलश राजमल जैन जीरापुर, तृतीय कलश, चतुर्थ कलश, पंचम कलश, षष्ठम कलश, स्थापित किये। उसके बाद आर्जव सागर महाराज जी ने अपने प्रवचन कहा कि चातुर्मास के दौरान श्रावक, श्राविकाओं द्वारा जितना तप, त्याग करें, राग द्वेश, काम क्रोध, लोभ मोह मद का त्याग करें, दान शीलता की प्रवृत्ति रखें, व भावना रखें तो धर्म की आराधना सही रूप से हो सकेगी। भोपाल, इन्दौर, उज्जैन,आगर, सुसनेर, मोडी, नलखेड़ा, अमरकोट, सोयत, बोलियां, आवर, चेन्नई, कोटा, रामगंज मंडी, भवानीमण्ड़ी, झालावाड़, झालरापाटन, रटलाई, कड़ोदिया, सुनेल मगिंसपुर, ढ़ोला, कोटड़ी, खारपा आदि स्थानों से पधारे अतिथियों का स्वागत सम्मान किया गया वो सकल जैन समाज पिड़ावा व बाहर से पधारे अतिथियों का वात्सल्य भोज का आयोजन किया गया। अंत में सकल दिगंबर जैन समाज अध्यक्ष अनिल चेलावत व चतुर्मास समिति अध्यक्ष जीवन जैन ने सभी का आभार व्यक्त किया गया कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय कवि डॉ. अनिल उपहार ने किया।

डा.यादव बने जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर के मिडिया प्रभारी

रोहित जैन. शाबाश इंडिया

अजमेर। जवाहरलाल नेहरू चिकित्सालय अजमेर के अधीक्षक डा.अरविन्द खरे ने उप अधीक्षक डा.अमित यादव को जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय का मिडिया प्रभारी नियुक्त किया। उनकी नियुक्ति चिकित्सालय की विभिन्न उपल्बधियों के सम्बन्ध में प्रिन्ट मीडिया को जानकारी उपलब्ध कराने के लिए की गई।

पुलिस अधीक्षक विश्नोई ने संत फ्रांसिस विधालय अजमेर की छात्र/छात्राओं को साइबर सुरक्षा की दी जानकारी

रोहित जैन.शाबाश इंडिया

अजमेर। संत फ्रांसिस उ.मा.विधालय अजमेर में साइबर सुरक्षा विषय पर पुलिस अधीक्षक देवेन्द्र कुमार विश्नोई द्वारा एक सेमिनार का आयोजन कर विधालय के छात्र/छात्राओं को साइबर सुरक्षा की जानकारी दी। सेमिनार में अलवर गेट थानाधिकारी श्याम सिंह एवं सर्व धर्म के अध्यक्ष प्रकाश जैन भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के द्वारा छात्राओं को साइबर क्राइम से बचने के उपाय के साथ साइबर सिक्योरिटी व उसके मुद्दों और उसकी चुनौतियों पर भी प्रकाश डाला। वर्तमान समय में होने वाली आनलाईन ठगी की सत्य घटनाओं द्वारा विधार्थियों को जागरूक किया। जिसे सभी विधार्थियों ने जागरूक होकर सुना और समझा। इस अवसर पर प्रधानाचार्य सिस्टर शुभा ने मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक विश्नोई को स्मृति चिन्ह भेंट कर धन्यवाद ज्ञापित किया।

जैन सोशल ग्रुप नॉर्थ द्वारा विशाल जयपुर फुट कैंप का आयोजन 17अगस्त को

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप नार्थ, जयपुर द्वारा 17 अगस्त 2024 शनिवार को जैन सोश्यल ग्रुप इंटरनेशनल फेडरेशन मुंबई के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य मे विशाल जयपुर फुट कैंप का आयोजन श्री महावीर विकलांग समिति, मालवीय नगर, जयपुर पर किया जायेगा। ग्रुप अध्यक्ष सुनील सोगानी, सचिव विशुतोष चांदवाड एवं मुख्य समन्वयक अजय कुमार बड़जात्या ने बताया कि गरीब दिव्यांग लोगो के लिए शिविर आयोजित कर रहे है जिसमे 101 फुट लगवाने का लक्ष्य रखा है। संयोजक मनीष बिलाला, पदम सोगानी, एवं संजय जैन आकोदा ने बताया कि इस आयोजन के रंगीन पोस्टर जयपुर शहर एवं बाहर की कॉलोनी के जैन एवं अन्य मंदिरो के बाहर लगाए गए है। 1 फुट की सहयोग राशि 6200/- है।

फेडरेशन पदाधिकारियों को महानगर ग्रुप के सिल्वर जुबली समारोह के लिए आमंत्रित किया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जेएसजी मार्बल अजमेर के स्थापना के शुभ अवसर पर इंटरनेशनल फेडरेशन अध्यक्ष अमीश दोषी, इलेक्ट प्रेसिडेंट वीरेंद्र शाह, फेडरेशन पदाधिकारीयो एवं जेएसजी मार्बल अजमेर के पदाधिकारीयो का स्वागत अभिनंदन करते हुए व साथ ही आयोजित होने वाले महानगर ग्रुप के सिल्वर जुबली समारोह के लिए आमंत्रित किया। इस अवसर पर महानगर ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष प्रदीप जैन, पूर्व अध्यक्ष सी एस जैन, रवि प्रकाश जैन एवं वर्तमान अध्यक्ष संजय छाबड़ा उपस्थित रहे।

सामूहिक गोठ व विचार गोष्ठी का आयोजन

अमित गोधा. शाबाश इंडिया

ब्यावर। श्री दिगंबर जैन पंचायत नसिया में सकल दिगंबर जैन समाज के जैन सामाजिक मंडलों का सामूहिक मीटिंग व सामूहिक गोठ का आयोजन किया गया। श्री दिगम्बर जैन समाज के प्रचारक अमित गोधा ने बताया कि मुनि अनुपम सागरजी महाराज संसघ के सानिध्य में हाल ही मे श्री दिगंबर जैन पंचायती नसियाँ का स्वर्णजयंती महोत्सव व मान स्तंभ मे श्रीजी विराजमान प्रोग्राम में सफलतापूर्वक सम्पन्न कराने में सकल दिगंबर जैन समाज वह सभी मंडलों का सहयोग रहा । विचार संगोष्ठी में सभी ने अपने अपने विचार व्यक्त किये समस्त जैन समाज उत्कृष्ट भावनाओ को पारिभाषित कर दीया श्री दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला ने आने वाले पर्युषण महापर्व को कैसे सुनियोजित ढंग से आयोजन किया जावे उसके लिए अपने विचार रखे । श्री दिगंबर जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सुमन धगडा का जन्म दिवस भी मनाया गया। श्री विधा महिला मंडल की नई कार्यकारिणी का समाज दारा तिलक लगाकर माला पहनाकर स्वागत किया गया है। इस मीटिंग में दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष अशोक काला उपाध्यक्ष विजय फागीफाला मंत्री दिनेश अजमेरा कोषाध्यक्ष शशिकांत गदिया विकल कासलीवाल अमित गोधा राजकुमार पहाड़ीया कमल राँवका अतुल पाटनी श्रीपाल अजमेरा संदीप पाटनी महेन्द्र सोनी जम्बू कुमार राँवका सुमन धगडा पारस कासलीवाल प्रकाश गदिया नितिन छाबड़ा घनश्यामदास शास्त्री संजय रावका खेमराज जैन संजय गगवाल ताराचन्द जैन प्रकाश पाटनीं हरीश जैन कल्पेश जैन रितेश फागीवाला संजय जैन राकेश गोधा मनीष सोनी लादूराम जैन निर्मला गदीया बिन्दु काला सीमा धगडा पिंकी जैन मोनिका जैन अनिता रावका मनोरमा काला सुधा फागीवाला प्रमिला कासलीवाल बबली जैन सुनीता ढोलीया तारा बड़जात्या नीरज गदीया पुष्पा सोनी सविता पाटनी किरण अजमेरा प्रमीला पाटनी सुनीता भगत सहित श्री दिगम्बर मारवाड़ी समाज श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मंदिर श्री विद्या महिला मण्डल पार्श्वनाथ महिला मण्डल श्री दिगम्बर जैन पुरुष व महिला महासमिति ज्ञानोदय बहु मंडल युवा मंडल व विराग मंडल व विद्या सागर पाठ शाला सहित समाज के विशेष वरिष्ठ गणमान्य जन उपस्थित थे।

लायंस क्लब कोटा सेंट्रल का पदस्थापना समारोह संपन्न

मधु बाहेती अध्यक्ष और राधा खुवाल सचिव बनी

आजाद शेरवानी. शाबाश इंडिया

कोटा। लायंस क्लब कोटा सेंट्रल के सत्र 2024-25 की कार्यकारिणी ने आज सेवाकार्य करने हेतु पदभार ग्रहण किया। पदस्थापना अधिकारी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन दिलीप तोषनीवाल ने अध्यक्ष मधु ललित बाहेती, सेक्रेटरी राधा खुवाल, कोषाध्यक्ष नीलम तापड़िया के साथ पूरी कार्यकारिणी को अपने पद की जिम्मेदारियों को समझाया एवं कहा कि संपूर्ण विश्व के एक बहुत बड़े एनजीओ के जिम्मेदार पद पर पर रहकर अहम जरूरतमंद तक मदद के हाथ पहुंचना लायन सदस्यों की प्राथमिकता रहनी चाहिए। पूर्व सेक्रेटरी लायन रामकृष्ण बागला ने गत सत्र की एक्टिविटीज बताते हुए कार्यकताओं लायन साथियों का सम्मान किया मुख्य वक्ता पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर लायन बद्री विशाल माहेश्वरी ने बताया कि मानव सेवा के साथ साथ सुन्दर दृष्टि और सृष्टि के निर्माण के

लिए संस्कार निर्माण के क्षेत्र में काम करना चाहिए। अध्यक्ष मधु ललित बाहेती ने अपनी एक्सेप्ट स्पीच में अपनी कार्य योजना बताते हुए लायंस क्वेस्ट, संस्कार शाला, हैप्पी आंगनबाड़ी, खिलौना बैंक, एल्डर पीपुल्स की स्वास्थ्य एवं अकेलेपन के लिए काम करते रहने के लिए अपनी योजना बताई व पर्यावरण संरक्षण की दिशा में पार्क एवं मंदिरों के फूलपत्ती के रिसाइकिल कर खाद बनाने के बारे में बताया स्वरोजगार हेतु 10 बालिकाओं को सेल्फ ग्रूमिंग एंड मेकअप कोर्स करवाया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडियन रेडक्रास सोसायटी के राजस्थान स्टेट चेयरमैन राजेश कृष्ण बिरला ने कहा कि समाज के एक जिम्मेदार सदस्य होने के नाते प्राणी एवं जीवमात्र की जरूरतों को देखते हुए अपने कार्यक्रमों को करना चाहिए। महिला सशक्तिकरण की डिस्ट्रिक्ट चेयरमैन लायन आशा माहेश्वरी ने महिला और बालिका संरक्षण में सरकारी योजनाओं की जानकारी दी डॉ कुलवंत गौड ने नेत्र दान, रक्त दान, अंग दान व देहदान के बारे में जानकारी देते हुए भ्रांतियों का निवारण किया । सेक्रेटरी राधा खुवाल ने जुलाई माह में संपन्न गतिविधियों की जानकारी दी । विशिष्ट अतिथि के रूप में रीजन चेयरमैन लायन दिनेश खुवाल, जोन चेयरमैन के के राठी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन मधु बाहेती व नीलम तापड़िया ने किया 7 नए सदस्य भी बनाए गए कार्यक्रम में 73 सदस्यों की उपस्थिति रही। क्लब की कार्यकारिणी में राजीव विजय, कुंती लाल जैन और रामकृष्ण बागला को वाइस प्रेसीडेंट दिनेश गुप्ता को ज्वाइंट सेक्रेट्री राजकुमार गुप्ता को टेल ट्वीस्टर कैलाश सेठिया को टेमर लायन श्यामलाल गुप्ता, लायन पुरुषोत्तम चित्तौड़ा, और लायन के जी लाहोती को मेम्बरशिप चेयरमेन लायन ललित बाहेती, मदन मोहन गुप्ता, अशोक कुमार शर्मा, प्रकाश तापड़िया, शील बिरला और रेखा कहालिया को वन ईयर डायरेक्टर लायन अशोक लखोटिया, गोविंद नुवाल, आनंदीलाल कुशवाहा, आशा माहेश्वरी, बी एल रामदिया और डॉक्टर के आर मेहता को टू ईयर डायरेक्टर पीडीजी लायन और बी विशाल माहेश्वरी को क्लब एडमिनिस्ट्रेटर लायन राजेंद्र कुमार पारेख को क्लब सर्विस चेयरपर्सन और लायन बल्लभ दास मोहता को आई पी पी कॉर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी गई।

तेज अदरक वाली चाय पीने के क्या होते हैं नुकसान?

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान विधानसभा,जयपुर।

अदरक वाली चाय सुनकर किसे मन नहीं करेगा बस एक कप चाय की प्याली मिल जाए. सर्दियों में ज्यादातर लोग सुबह, दोपहर,शाम किसी वक्त भी चाय को न नहीं बोलते. उसमें भी अदरक वाली चाय मिल जाए तो फिर क्या बात है. अदरक वाली चाय सेहत के लिए काफी ज्यादा अच्छा होता है. लेकिन कुछ लोगों को अदरक वाली चाय बिल्कुल नहीं पीना चाहिए या अगर आप पीते भी हैं तो कम मात्रा में पिएं. आज हम इस आर्टिकल में इससे होने वाले नुकसान के बारे में बात करेंगे.

गर्मी में गर्म चीजें या यूं कहें कि अदरक खाने से बचना चाहिए

गर्म मौसम में गर्म चीजें पीने से शरीर में गर्मी आती है. अदरक की तासीर गर्म होती है, लेकिन गर्मी में खाने से कई सारी शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं? आज हम आपको शरीर में अदरक के ज्यादा सेवन से होने वाली कुछ दिक्कतों के बारे में बताएंगे।

अदरक के ज्यादा सेवन के नुकसान

पेट में जलन: अदरक भले ही शरीर को गर्मी प्रदान करता हो, लेकिन इसका ज्यादा सेवन करने से पेट में जलन, एसिड बनने, गैस और कब्ज जैसी दिक्कतें हो सकती हैं. हालांकि अगर आप इसका थोड़ी मात्रा में खाने के बाद सेवन करते हैं तो यह पेट फूलने की समस्या को कम कर सकता है।

ब्लड क्लॉटिंग को करता है प्रभावित: अदरक में ऐसे गुण पाए जाते हैं, जिससे खून को पतला किया जा सकता है. हालांकि इसका ज्यादा सेवन ब्लड क्लॉटिंग को प्रभावित कर सकता है. इसका ज्यादा सेवन करने से उन लोगों की दिक्कतें बढ़ सकती हैं, जो खून को पतला करने वाली दवाइयां ले रहे हैं.

कम हो सकता है ब्लड शुगर लेवल: खाने में जरूरत से ज्यादा अदरक को शामिल करने से इंसुलिन के लेवल में बाधा पैदा हो सकती है. इसकी वजह से ब्लड शुगर का लेवल अचानक कम हो सकता है.

मुंह में छाले: अगर आप बहुत ज्यादा अदरक का सेवन करते हैं तो यह समस्या आपको परेशान कर सकती है. इसलिए जितना हो सके, अदरक का सीमित मात्रा में इस्तेमाल करें.

Disclaimer: यहां दी गई यह जानकारी स्वास्थ्य रिपोर्ट्स पर आधारित है. आप किसी भी सुझाव को अमल में लाने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से सलाह जरूर लें।

अन्तर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से...

दान करने से रूपया जाता है पुण्य नहीं,
घड़ी बन्द करने से, घड़ी बन्द होती है समय नहीं,
झूठ छुपाने से झूठ छुपता है - सच नहीं,
क्रोध की गाँठ बुरी है, क्रोध नहीं..
इसलिए क्रोध नरक है और क्षमा स्वर्ग-मोक्ष..!

कोई भी नरक जाना नहीं चाहता, सबकी एक ही कोशिश होती है कि वह मरने के बाद स्वर्ग जाये। भारत में मरने वाले प्रत्येक व्यक्ति को स्वर्ग तो गोड गिफ्ट में मिलता है। जैसे - भारत में मरने वाले प्रत्येक भारतीय व्यक्ति के नाम के आगे स्वर्गीय ही लिखा जाता है। आज तक आपने कभी नहीं पढ़ा होगा कि नरकीय फलाने चन्द जी। नरक ना जाने के सात उपाय हैं: (1) जुआ नहीं खेलना (2) चोरी नहीं करना (3) मांस का सेवन नहीं करना (4) मदिरा का पान नहीं करना (5) वेश्यालय जाने से बचना (6) अपनी पत्नी के अलावा अन्य माता बहिनों से अनैतिक सम्बन्ध नहीं रखना (7) किसी भी जीव का वध नहीं करना।

ये सात मार्ग ही स्वर्ग और मोक्ष के द्वार खोलते हैं। हम सोचते हैं कि स्वर्ग आसमान में और नरक नीचे पाताल में है। लेकिन स्वर्ग नरक तो इसी लोक में ही विद्यमान है। हमारी अच्छी बुरी आदतें, या हरकतें स्वर्ग नरक का बोध करा देती है। यह इन्सान के हाथ में है कि वह कैसी ज़िन्दगी जीना चाहता है? यह भी सत्य है कि हर एक इन्सान जानने की कोशिश करता है कि स्वर्ग-नरक कहाँ है? और वहाँ क्या क्या होता है? अरे बाबू ! जहाँ जाना ही नहीं है, फिर वहाँ के बाबत कुछ भी सोचना यानि वक्त की बर्बादी ही समझना...।

नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल औरंगाबाद।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जेटीएफ में प्रदर्शित डाक टिकट संग्रह में जिंदा है टाइगर की सैकड़ों कहानियां

जेकेके की अलंकार दीर्घा में जारी है जयपुर टाइगर फेस्टिवल, इंटरनेशनल टाइगर डे पर विशेष आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

कहा जाता है कि एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है लेकिन डाक टिकट ऐसा दस्तावेज है इसका ऐतिहासिक महत्व भी है और उसकी अपनी एक कहानी भी है। राजस्थान हेरिटेज, आर्ट एंड कल्चरल फाउंडेशन की ओर से जारी जयपुर टाइगर फेस्टिवल में ऐसे ही डाक टिकट की प्रदर्शनी लगायी गयी है जिनमें टाइगर की सैकड़ों कहानी जिंदा नजर आती है। इंटरनेशनल टाइगर डे के मद्देनजर जवाहर कला केन्द्र की अलंकार गैलरी में इस भव्य फेस्टिवल आयोजित किया जा रहा है। फिलाटेलिक सोसाइटी ऑफ राजस्थान के राजेश पहाड़िया ने बताया कि उन्होंने छठी कक्षा से डाक टिकट का संग्रह शुरू किया था। पिछले 20 साल से वे बाघों पर विभिन्न देशों में निकाले गए डाक टिकट, गजट और ऐतिहासिक दस्तावेजों का संग्रह तैयार कर रहे है जो जेटीएफ में प्रदर्शित किया गया है। यहां भारत, भूटान, चीन, इंडोनेशिया, कोरिया और रूस समेत 30 देशों के डाक टिकट का संग्रह किया गया है। इस संग्रह से बाघ की भूमिका, एनाटॉमी, आवास, बाघ के लिए खतरे, मानव जीवन में बाघ का महत्व, पौराणिक कथाओं में बाघ, बाघ से जुड़े व्यापार और संरक्षण की जानकारी दशार्यी गयी है।

जब बीकानेर नरेश ने ब्रिटेन को लिखा पत्र...

यहां कई ऐतिहासिक दस्तावेज है जिसमें 8 अक्टूबर, 1920 में बीकानेर के तत्कालीन राजा गंगा सिंह की ओर से ब्रिटिश प्रधानमंत्री को लिखा गजट भी है। इसमें ब्रिटिश प्रधानमंत्री से फ्रांस जॉर्जिस क्लेमेंसो को समझाने का आग्रह किया गया है। दरअसल जॉर्जिस ने गंगा सिंह से आग्रह किया था कि वे बीकानेर में बाघ का शिकार करना चाहते है जबकि बीकानेर में बाघ का आवास नहीं था। गंगा सिंह खुद बाघ का शिकार करने के लिए भारत के दूसरे स्थानों पर जाया करते थे जिसका जिक्र एक गजट में है जो यहां प्रदर्शित है। इसी के साथ सफेद बाघ किस तरह रीवा मध्य प्रदेश से दुनियाभर में पहुंचा इसका जिक्र भी यहां प्रदर्शित तत्कालीन गजट और डाक टिकट में है। इसी के साथ सन 1920 में भरतपुर दरबार की ओर से वन्यजीवों की बिक्री के लिए जारी बिल भी यहां मौजूद है। सन 1907 इंदौर रियासत की ओर से बाघ शिकार पर प्रतिबंध लगाने का दस्तावेज भी यहां मौजूद है। समाइरा सिंह की ओर से संग्रहित टिकट भी यहां पेश किए गए हैं। राजेश पहाड़िया ने बताया कि बाघ कई देशों का राष्ट्रीय पशु है इसी के साथ भारत समेत कई देशों में बाघों का पौराणिक व धार्मिक महत्व है इसके अनुसार भी डाक टिकट जारी किए गए है। भारतीयों के लिए बाघ आम जीवन का हिस्सा है इसलिए यहां चुनाव चिन्ह, व्यापार चिन्ह आदि में भी उसका प्रयोग किया जाता रहा है।

टाइगर कंजर्वेशन का अपना महत्व है: एस नल्लामुथु

जयपुर टाइगर फेस्टिवल के दूसरे दिन रविवार को प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में वाइल्ड लाइफ लवर्स पहुंचे। मुख्य वन्य जीव प्रतिपालक, राजस्थान पवन कुमार उपाध्याय ने जेटीएफ को बाघों के प्रति जागरूकता फैलाने में बहुत कारगर आयोजन बताया। इसके अतिरिक्त हवामहल विधानसभा के पूर्व विधायक सुरेन्द्र पारीक समेत अन्य गणमान्य जनों ने जेटीएफ में शिरकत की। मशहूर वाइल्ड लाइफ फिल्म मेकर एस. नल्लामुथु ने जेटीएफ के मंच से कहा कि इंटरनेशनल टाइगर डे के अवसर पर इस तरह के आयोजन बहुत महत्वपूर्ण है। जेटीएफ से देश-दुनिया में यह संदेश पहुंचा है कि टाइगर कंजर्वेशन भी अन्य मुद्दों की तरह वरियता रखता है, टाइगर प्रकृति और इंसान दोनों के लिए बहुत जरूरी है।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ गुंसी में निर्विघ्न सम्पन्न हुआ चातुर्मास कलश स्थापना महोत्सव

गुन्सी, निवाई. शाबाश इंडिया। राजस्थान की पावन एवं पवित्र भूमि श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ क्षेत्र, गुन्सी में प. पू. भारत गौरव पुरातत्व रक्षिका श्रमणी गणिनी आर्यिका 105 विज्ञाश्री माताजी ससंघ का 30 वाँ विराग- विज्ञामय चातुर्मास 2024 का शुभारंभ 28 जुलाई 2024 को भव्य कलश स्थापना महोत्सव के साथ हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत श्री नेमिचंद जैन सपरिवार किशनगढ वालों ने ध्वजारोहण के साथ की। इसी के साथ दिशा, विदिशा के आठ लघु ध्वजारोहण भी भक्तगणों द्वारा संपादित हुए। जयकारों की ध्वनि के साथ ध्वजा फहराकर उत्तर दिशा की ओर प्रवाहमान हुई। गाजे बाजे के साथ आर्यिका संघ पांडाल पर पहुँचा। लगभग 50 गांवों के 3000 से भी अधिक श्रद्धालुओं ने महोत्सव का आनन्द लिया। प्रथम मुख्य सहस्त्रकूट कलश स्थापन करने का सौभाग्य निर्मल सुधा बाझल सिवनी वालों ने प्राप्त किया। द्वितीय मुख्य सातिशय कलश स्थापन करने का सौभाग्य कंवरपाल जैन जयपुर वालों ने प्राप्त किया। तृतीय मुख्य तीर्थरक्षा कलश स्थापन करने का सौभाग्य सुनील जी लोहा वाले जयपुर वालों ने प्राप्त किया। चार अनुयोग कलश प्राप्त करने का अवसर धमीचंद जी कासलीवाल सेठी कॉलोनी , दीनदयाल जी सेठी कॉलोनी , सुरेश जी सेठी कॉलोनी जयपुर एवं राजेश जी त्रिवेणी नगर वालों ने प्राप्त किया । इसके अलावा अन्य 11 साधना कलश, 51 आराधना कलश एवं 108 चातुर्मास कलशों को स्थापित किया गया। पूज्य गुरु माँ के पावन चरणों का प्रक्षालन करने का अवसर राजेन्द्र जी जैन मंगल विहार जयपुर वालों ने प्राप्त किया । साथ ही अन्य भक्त परिवारों ने पूज्य गुरु माँ को शास्त्र भेंट , वस्त्र भेंट आदि कर पुण्यार्जन कियां। पूज्य माताजी ने धर्म सभा को संबोधित करते हुए कहा कि - चातुर्मास का अर्थ है-चार मास के लिए साधु-साध्वियों का एक स्थान पर ठहरना। चातुर्मास का आरंभ वर्षा ऋतु में होता है। वर्षा के कारण सभी मार्ग अवरुद्ध हो जाते हैं और जीव-जंतुओं की उत्पत्ति भी बढ़ जाती है अतः जीवों की रक्षा और संयम - साधना के लिए चार मास तक साधु-साध्वियों को एक स्थान पर रुकने का शास्त्रीय विधान है। अपवाद स्वरूप ही साधु चातुर्मास में अन्यत्र जा सकते हैं।

गीत गाता चल ग्रुप के कराओके सिंगिंग प्रोग्राम आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

गायक कलाकारों के समुह गीत गाता चल ग्रुप की ओर से शुक्रवार 26 जुलाई को रात 7.15 बजे से कराओके सिंगिंग कार्यक्रम का आयोजन दुगार्पुरा क्षेत्र में स्थित बयान एलिगेंसी होटल के ताराजी कैटरर्स बैंक्विट हॉल में किया गया। आयोजन के मुख्य समन्वयक राकेश नीलू गोधा एवं समन्वयक लोकेश शीला पुरोहित व सतीश नीलिमा काला ने बताया कि इस आयोजन में 22 गायक कलाकार बॉलीवुड के गानों को दर्शकों के समक्ष लाइव प्रस्तुत किया। शुरूआत मुकेश पारीक के गीत से हुई और उसके बाद हसीं खुशी की बातों और कलाकारों के व्यवहारिक और सटीक परिचय की शानदार कड़ी ने श्रोताओं को ऐसे बांध कर रखा कि, पता ही नहीं चला कब 10.30 बज गए। आयोजन में राकेश गोधा, लोकेश पुरोहित भूषण शर्मा पारीक, जितेंद्र भारद्वाज, कमल जैन छाजेड़, ममता वर्मा, ममता जैन, पिंकी देबाना, प्रणव पारीक, प्रवीण कुमार जैन नेपाल, पूनम शर्मा, रिया जैन गोधा, संजय जैन गोधा, इशान जैन शाह, सपना पाठक, संसार सेठी, विनेहा प्रीति पुरोहित और योगेश गोधा व बांसुरी पर उम्दा प्रस्तुति देने वाले संजय माथुर के साथ मेहमान कलाकार टोंक से आए जज दीपेंद्र माथुर और विक्रम शर्मा व गिरधर पारीक ने अपने शानदार नगमों से सबको मंत्र मुग्ध कर दिया। हर गीत पर खूब तालियों की गगड़ाहट हुई। इस आयोजन का फेसबुक पर सीधा प्रसारण भी किया गया। आयोजन में सहयोगी मनीष श्वेता जैन ने फिल्मी गीतों के इस आयोजन में सभी की खूब आवभगत की, स्वागत सत्कार किया।

गुरु श्रद्धेय एवं उनके वचन उपादेय होते हैं: मुनि प्रणम्य सागर

जयकारों के बीच हुई अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज की वर्षायोग मंगल कलश स्थापना। वर्षायोग स्थापना समारोह में उमड़े श्रद्धालु

जयपुर. शाबाश इंडिया

संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का 27 वां पावन वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार को मानसरोवर के मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जयपुर सहित पूरे देश से हजारों की संख्या में जैन बन्धु लगातार पांच घन्टे तक धर्म की गंगा में डुबकियां लगाते रहे। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने अपने उदबोधन में कहा कि अपने आप में कोन्फीडेन्ट होना बहुत बडी बात है। हमारा विश्वास ही ऐसी चीज है कि वह सब तरफ से हमें मजबूत बना देता है। आपका धेर्य जीवन में बहुत काम आयेगा। आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज के जाने के बाद हमारा यह पहला चातुर्मास है। लेकिन मुझे यह महसूस हो रहा है कि उन्हीं के आशीर्वाद एवं संकेत से यह चातुर्मास जयपुर में हो रहा है। गुरु की भावना के अनुरूप थोडा भी हम कुछ पालन कर पाते हैं तो मुझे बहुत प्रसन्नता होती है। गुरु आपके लिए श्रद्धेय होते हैं उनके वचन आपके लिए उपादेय होगे। उनके वचन जीवन में ग्रहण करने योग्य होते हैं और यह आपके जीवन के लिए प्रेरक होगें। युवाओं को आत्म निर्भर बनने की कला सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा जीवन में हताश निराश नहीं हो, यदि कोई अपने जीवन में हताश निराश हैं तो मेरी शरण में आ जाए, मै उसे इस निराशा के जीवन से उमंग की ओर मोड दूंगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग अति आवश्यक है। योग करने वाले मनुष्य न अपने लिए कुछ करेगे बल्कि अन्य जीवों के लिए भी आदर्श बनेंगे। आज दुनिया में योग की बहुत आवश्यकता है। धर्म को जीने के लिए अर्हम ध्यान योग का अभ्यास करें। धर्म की प्रक्रियाओं को मंदिरों तक सीमित नहीं रखे अन्त में उन्होंने

कुछ हो या ना हो मेरा मन दुर्बल ना हो.... कविता की चार लाईनों से अपना उदबोधन समाप्त किया।। इससे पूर्व संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का अर्घ्य श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति एवं आचार्य समय सागर महाराज का अर्घ्य पाठशाला परिवार ने चढाया। मुनि प्रणम्य सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से पूजा मीरा मार्ग मंदिर समिति, रुडकी, सिंगोली, उदयपुर, दिल्ली, मुजफ्फरनगर, आगरा, रोहतक, ग्वालियर, गाजियाबाद, अर्हम योग टीम, प्राकृत टीम सकरार, कटनी, दमोह, किशनगढ़ एवं जयपुर के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने भक्ति में नाचते गाते की। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण समाजश्रेष्ठी शीतल चन्द विजया कटारिया परिवार ने किया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया ने किया। जयकारों के बीच समारोह का ध्वजारोहण कवरी लाल, महावीर प्रसाद, अशोक पाटनी सुरेश पाटनी विमल पाटनी, सुशीला पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ़ परिवार ने किया। तत्पश्चात आर के मार्बल्स किशनगढ़ परिवार ने मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं कई समाजश्रेष्ठियो ने मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर पुण्यार्जन किया। इस मौके पर समाजश्रेष्ठी डी सी जैन, उमराव मल संघी, महेश काला, कमल बाबू जैन,उत्तम चन्द पाटनी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, शैलेन्द्र गोधा, सुनील बख्शी,राजीव जैन गाजियाबाद, इन्द्र कुमार जैन, दर्शन बाकलीवाल, मुकेश सोगानी, मनीष बैद, जे के जैन नेमीसागर, सुभाष बज, शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले, विनय सोगानी सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन,संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी व पूरी कार्यकारिणी समिति ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान अर्हम ध्यान योग टीम द्वारा अर्हम ध्यान योग एवं प्राकृत के सम्बन्ध में एवं अकलंक शरणालय रेवाड़ी के बच्चों द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई। संचालन शुभम जैन बडा मल्हेरा ने किया। मंत्री राजेन्द्र सेठी ने बताया कि इससे पूर्व प्रातः मुनि श्री ससंघ के सानिध्य में श्री वर्धमान पूजा विधान का संगीतमय आयोजन किया गया। पूजा के दौरान मंत्रोच्चार के साथ 64 अर्घ्य चढाये गये। मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज ने पूजा विधान का महत्व बताया। प्रचार प्रभारी विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि मीरामार्ग के श्री आदिनाथ भवन पर मुनि प्रणम्य सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में सोमवार 29 जुलाई को प्रातः 8.15 बजे श्री पार्श्वनाथ कथा का संगीतमय आयोजन आयोजन किया जाएगा इस मौके पर आचार्य विद्यासागर महामुनिराज की पूजा एवं मुनि श्री प्रणम्य सागर महाराज के मंगल प्रवचन होगें। मुनि श्री की आहारचर्या प्रातः 9:40 बजे होगी। गुरुभक्ति एवं आरती सांय 6:30 बजे एवं वैयावृत्ति रात्रि 8:30 बजे होगी।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के ग्रंथालय में लघु चर्चा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 'पुस्तक पाठक संगम की ओर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के ग्रंथालय में लघु चर्चा आयोजित की गई। जिसमें वक्ता डॉ. दर्शना जैन ने बताया की हमारे वीर जवानों ने कारगिल युद्ध में किस प्रकार लोहा लेकर वीरता के साथ देश की रक्षा की और समर्पण किया। वीरता के इस दिवस को प्रत्येक संस्था को मनाकर शहीदों की वीरता को याद करना चाहिए जिससे आज की युवा पीढी के लिए देश के प्रति समर्पण भाव जागृत हो और निकिता जैन ने बताया की ये सैनिक हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है इनको और इनके बलिदान को कभी नही भुलाया जा सकता आज हम अगर सुरक्षित है, तो सिर्फ इनकी बदौलत और छात्र धमार्राम ने बताया की किस तरह से हमारे सैनिकों ने वीरता के साथ दुश्मनों को खदेड़ा। इस प्रकार अन्य शोध छात्रों ने भी कविता पाठ किया रतन, गौरव,राम, योगेश छोलक पुस्तकालय सहायक आदि अन्य छात्रों ने भी अपने भाव व्यक्त कियें और सभी ने शहीदों को नमन किया और उनकी वीर गाथा को याद किया। अंत में निकिता जैन (शिक्षा शास्त्री) ने सभी का धन्यवाद किया और सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के ग्रंथालय में लघु चर्चा आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 'पुस्तक पाठक संगम की ओर से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के ग्रंथालय में लघु चर्चा आयोजित की गई। जिसमें वक्ता डॉ. दर्शना जैन ने बताया की हमारे वीर जवानों ने कारगिल युद्ध में किस प्रकार लोहा लेकर वीरता के साथ देश की रक्षा की और समर्पण किया। वीरता के इस दिवस को प्रत्येक संस्था को मनाकर शहीदों की वीरता को याद करना चाहिए जिससे आज की युवा पीढी के लिए देश के प्रति समर्पण भाव जागृत हो और निकिता जैन ने बताया की ये सैनिक हमारे देश की रीढ़ की हड्डी है इनको और इनके बलिदान को कभी नही भुलाया जा सकता आज हम अगर सुरक्षित है, तो सिर्फ इनकी बदौलत और छात्र धमार्राम ने बताया की किस तरह से हमारे सैनिकों ने वीरता के साथ दुश्मनों को खदेड़ा। इस प्रकार अन्य शोध छात्रों ने भी कविता पाठ किया रतन, गौरव,राम, योगेश छोलक पुस्तकालय सहायक आदि अन्य छात्रों ने भी अपने भाव व्यक्त कियें और सभी ने शहीदों को नमन किया और उनकी वीर गाथा को याद किया। अंत में निकिता जैन (शिक्षा शास्त्री) ने सभी का धन्यवाद किया और सभी ने शहीदों को श्रद्धांजलि दी।

बगिचि में कांवड़ियों की सेवा व वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित

सुधीर शर्मा. शाबाश इंडिया

सीकर। सीकर जिले के श्री नाथजी महाराज आश्रम कुदन में कांवड़ियों केलिए हर साल की भांति इस वर्ष भी शानदार व्यवस्था की गई यहां कांवड़ियों के लिए अल्पाहार व भोजन की व्यवस्था पुर्व केन्द्रीय मंत्री सुभाष महरिया व पूर्व विधायक फतेहपुर नंदकिशोर महरिया द्वारा की गई तथा साथ में विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर वृक्षारोपण कार्य भी किया गया इस आश्रम में दुर दुर से कांवड़िए आते हैं और रात्रि विश्राम तथा दोपहर में आराम फरमाते हैं रविवार को धसु खेड़ी दतुजला नरोदडा खोरू बिपर सावलोदा लाडखानी हपास आदि गांवों के कांवड़ियों का विश्राम स्थल रहता है इस कार्यक्रम में अनेक सेवादार अपनी सेवाएं देते हैं पुर्व विधायक फतेहपुर नंदकिशोर महरिया सरपंच प्रतिनिधि सुल्तान सुंडा महेंद्र डारेक्टर करण सिंह निर्मल महरिया मदन सुंडा महावीर काजला विकास सुंडा सतिश सुंडा हरिश शर्मा जुगल व रिछपाल जांगिड़ जगदीश सुंडा भागीरथ पिलानिया सुधीर शर्मा गोपाल शर्मा महेंद्र महरिया विकास जांगीड़ कालु सोनी नेमीचंद महेश चादपोता बनवारी भाटी भंवरलाल सुनील अशोक विकास महरिया राकेश भाटी गोरू जी आदि उपस्थित रहे।

गुरु श्रद्धेय एवं उनके वचन उपादेय होते हैं: मुनि प्रणम्य सागर

जयकारों के बीच हुई अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज की वर्षायोग मंगल कलश स्थापना

जयपुर. शाबाश इंडिया। संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर महामुनिराज के परम प्रभावक शिष्य अर्हम योग प्रणेता मुनि प्रणम्य सागर महाराज का 27 वां पावन वर्षायोग मंगल कलश स्थापना समारोह रविवार को मानसरोवर के मीरा मार्ग स्थित आदिनाथ भवन में धूमधाम से सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जयपुर सहित पूरे देश से हजारों की संख्या में जैन बन्धु लगातार पांच घन्टे तक धर्म की गंगा में डुबकियाँ लगाते रहे। मुनि प्रणम्य सागर महाराज ने अपने उदबोधन में कहा कि अपने आप में कोन्फीडेन्ट होना बहुत बडी बात है। हमारा विश्वास ही ऐसी चीज है कि वह सब तरफ से हमें मजबूत बना देता है। आपका धेर्य जीवन में बहुत काम आयेगा। आचार्य श्री विद्यासागर महामुनिराज के जाने के बाद हमारा यह पहला चातुर्मास है। लेकिन मुझे यह महसूस हो रहा है कि उन्हीं के आशीर्वाद एवं संकेत से यह चातुर्मास जयपुर में हो रहा है। गुरु की भावना के अनुरूप थोडा भी हम कुछ पालन कर पाते हैं तो मुझे बहुत प्रसन्नता होती है। गुरु आपके लिए श्रद्धेय होते हैं उनके वचन आपके लिए उपादेय होगें। उनके वचन जीवन में ग्रहण करने योग्य होते हैं और यह आपके जीवन के लिए प्रेरक होगें। युवाओं को आत्म निर्भर बनने की कला सीखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी बच्चा जीवन में हताश निराश नहीं हो, यदि कोई अपने जीवन में हताश निराश हैं तो मेरी शरण में आ जाए, मै उसे इस निराशा के जीवन से उमंग की ओर मोड दूंगा। उन्होंने कहा कि स्वस्थ रहने के लिए योग अति आवश्यक है। योग करने वाले मनुष्य न अपने लिए कुछ करेंगे बल्कि अन्य जीवों के लिए भी आदर्श बनेंगे। आज दुनिया में योग की बहुत आवश्यकता है। धर्म को जीने के लिए अर्हम ध्यान योग का अभ्यास करें। धर्म की प्रक्रियाओं को मंदिरों तक सीमित नहीं रखे। अन्त में उन्होंने कुछ हो या ना हो मेरा मन दुर्बल ना हो.... कविता की चार लाईनों से अपना उदबोधन समाप्त किया।। इससे पूर्व संगीतकार नरेन्द्र जैन के निर्देशन में आचार्य विद्यासागर महामुनिराज का अर्घ्य श्री आदिनाथ महिला जागृति समिति एवं आचार्य समय सागर महाराज का अर्घ्य पाठशाला परिवार ने चढाया। मुनि प्रणम्य सागर महाराज की अष्ट द्रव्य से पूजा मीरा मार्ग मंदिर समिति, रुडकी, सिंगोली, उदयपुर, दिल्ली, मुजफ्फरनगर, आगरा, रोहतक, ग्वालियर, गाजियाबाद, अर्हम योग टीम, प्राकृत टीम सकरार, कटनी, दमोह, किशनगढ़ एवं जयपुर के गणमान्य श्रेष्ठीजनों ने भक्ति में नाचते गाते की। इससे पूर्व आचार्य विद्यासागर महामुनिराज आचार्य समय सागर महाराज के चित्र का अनावरण समाजश्रेष्ठी शीतल चन्द विजया कटारिया परिवार ने किया। भगवान आदिनाथ के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन नन्द किशोर प्रमोद सुनील पहाड़िया ने किया। जयकारों के बीच समारोह का ध्वजारोहण कवरी लाल, महावीर प्रसाद, अशोक पाटनी सुरेश पाटनी विमल पाटनी, सुशीला पाटनी आर के मार्बल्स किशनगढ़ परिवार ने किया। तत्पश्चात आर के मार्बल्स किशनगढ़ परिवार ने मुनि श्री के पाद पक्षालन एवं कई समाजश्रेष्ठियो ने मुनि श्री को जिनवाणी भेट कर पुण्यार्जन किया । इस मौके पर समाजश्रेष्ठी डी सी जैन, उमराव मल संघी, महेश काला, कमल बाबू जैन, उत्तम चन्द पाटनी, प्रदीप जैन, विनोद जैन कोटखावदा, शैलेन्द्र गोधा, सुनील बख्शी, राजीव जैन गाजियाबाद, इन्द्र कुमार जैन, दर्शन बाकलीवाल, मुकेश सोगानी, मनीष बैद, जे के जैन नेमीसागर, सुभाष बज, शांति कुमार ममता सोगानी जापान वाले, विनय सोगानी सहित मंदिर समिति अध्यक्ष सुशील पहाड़िया, मंत्री राजेन्द्र सेठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील बैनाडा, उपाध्यक्ष तेज करण चौधरी, कोषाध्यक्ष लोकेन्द्र जैन, संयुक्त मंत्री मनोज जैन, संगठन मंत्री अशोक सेठी, सांस्कृतिक मंत्री जम्बू सोगानी व पूरी कार्यकारिणी समिति ने मुनि श्री को श्रीफल भेट कर आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान अर्हम ध्यान योग टीम द्वारा अर्हम ध्यान योग एवं प्राकृत के सम्बन्ध में एवं अकलंक शरणालय रेवाड़ी के बच्चों द्वारा संगीतमय प्रस्तुतियां दी गई।

संत हमारे लिए सामान्य नहीं, भगवान के समान होते हैं: युवाचार्य महेंद्र ऋषि महाराज

आचार्य आनंद ऋषि की जन्म जयंती के उपलक्ष में नौ दिवसीय कार्यक्रम का भिक्षु दया कार्यक्रम हुए प्रारंभ...

सुनिल चपलोत. शाबाश इंडिया

चैन्नेई। संत हमारे लिए सामान्य नहीं, भगवान के समान होते हैं ।रविवार को ए.एम.के एम.जैन मेमोरियल सेंटर में आचार्य आनंद ऋषिजी की जन्म जयंती के उपलक्ष में नौ दिवसीय कार्यक्रम रविवार को श्रमणसंघीय युवाचार्य महेन्द्र ऋषि महाराज के सानिध्य प्रारंभ हुए मध्याह्न प्रवचन में युवाचार्यश्री ने आनंद ऋषिजी की जन्म जयंती पर 'आया फिर उजियारा' विषय पर अपने संबोधन में कहा कि अपने कुछ पुण्य कर्म बाकी रहते हैं जो पूर्व में अर्जित किए होते हैं, इस कारण उच्च कुल, जिस कुल में माता सात्विक प्रकृति की हो, जिस परिवार का वातावरण सात्विक, प्रसन्न, आनंदित और खिलखिलाता हो, वैसे कुल में जन्म होता है। आनंद ऋषिजी का जीवन व्यापक था। बालक नेमीचंद का का जन्म 27 जुलाई 1900 को चिचोंडी सिरा ग्राम में हुआ। उनकी माता कर्तव्यदक्ष थी और उनकी संत-सती के प्रति गहरी आस्था थी।उन्होंने कहा संत हमारे लिए सामान्य नहीं, भगवान के समान होते हैं। बालक नेमीचंद में ये संस्कार माता से आए। संस्कार यानी हमारा आचरण। किसी दार्शनिक ने सही कहा है बच्चे में मां के खून के साथ रंग रुप ही नहीं, संस्कार, दोष-गुण, बुद्धिमता- अज्ञानता भी जाते हैं। जब मां संस्कारी होती है तो उसकी संतान भी संस्कारी होती है। युवाचार्य श्री फरमाते हुए कहा कि केवलज्ञानी के अलावा कोई आत्मा का परिणाम नहीं जान सकता। हम किसी के सुकृत्य की अनुमोदना नहीं कर सकते तो उलाहना देने, बुराई करने से कर्मबंध नहीं करने चाहिए। कभी किसी की निंदा सुननी ही नहीं चाहिए। उन्होंने बताया कि उन्होंने 17 वर्ष गुरुदेव की सेवा में बिताए लेकिन एक बार भी उनके मुंह से किसी की निंदा करते हुए नहीं पाया। वे आलोचना गंभीरता से सुन लेते थे लेकिन शिष्यों के साथ भी साझा नहीं करते थे। ये संस्कार थे।उन्होंने कहा हर घर में पुण्यात्मा चाहिए, जिससे प्रसन्नता का वातावरण उभरे। जहां नकारात्मकता है, वहां पुण्यात्मा नहीं आएगी।उन्होंने कहा जीवन में 5 प्रकार की निधि होती है। पुत्रनिधि, मित्रनिधि, शिल्पनिधि, धननिधि और धान्य निधि। जहां चरण पड़े, जहां लोग उनको जानते, चाहते हैं, ऐसा पुत्र होना निधि है। जो आपत्ति में कभी साथ नहीं छोड़ता हो, वह मित्रनिधि होती है। हमारे पास एक ऐसी कला होनी चाहिए जो हमें कभी भूखा नहीं रहने दे। धन ही जीवन में सब कुछ नहीं है।गुरुदेव एक निधि के रूप में मां को मिले। उन्होंने कहा कोई पुण्यवान जीव इस धरती पर आ सकता है इसलिए उसे आने में अंतराय नहीं दें। ये बचपन में मां द्वारा दिए संस्कार ही थे, जो गुरुदेव का भोजन सात्विक, पारंपरिक हुआ करता था। उन्होंने कहा जो प्रामाणिकता से पाया जाता है, वह अच्छे परिणाम देने वाला होता है।ऐसे ही संस्कार होने चाहिए। महासंघ के महामंत्री धमीचंद सिंघवी ने जानकारी देतें हुए.बताया आचार्य आनंद ऋषिजी जन्म जयंती के तहत प्रथम दिन सामूहिक पुरुष भिक्षुदया का आयोजन हुआ जिसमें 125 श्रावकों ने एक दिन की साधुचर्या का अनुभव किया। साधु जीवन के अनुरूप भिक्षुगण पुरुस्वाक्कम की गलियों में घर- घर जाकर गोचरी लाए और सामूहिक रुप से आहर के प्रश्नात नौ- नौ सामायिक की ।प्रातः 'मन की बात युवाचार्यश्री के साथ'.में सैकड़ों किशोर-किशोरियों की जिज्ञासाओं का समाधान युवाचार्यश्री ने दिये। साथ ही बाल संस्कार शिविर आयोजित हुआ जिसमें 800 से ज्यादा बच्चों ने हिस्सा लिया। रविवार को महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु दर्शनार्थ उपस्थित हुए। कमल छल्लाणी ने धर्मसभा का संचालन किया था।

पुज्य विन्रम सागर जी महाराज ससंघ की 2024 की चातुर्मास कलश स्थापना

राजेश जैन दद्दू.शाबाश इंडिया

इंदौर । आज पुज्य मुनि श्री विनम्र सागर जी महाराज जी ने इंदौर में विराजित सभी साधुसंतों माताजीओ त्यागी व्रतियों को बिना सन्त वाद पंथ वाद के अपने 2024 के चातुर्मास कलश स्थापना में आमन्त्रित कर बहुत अच्छा संदेश दिया और इंदौर नगर में विराजित सभी साधु संतो को आमंत्रित किया। धर्म समाज प्रचारक राजेश जैन दद्दू ने बताया कि इस मांगलिक अवसर पर आचार्य श्री उदार सागर जी संसघ,परम पूज्य मुनि श्री पुज्य सागर जी, आर्यिका सुनयमति माता जी संसघ उपस्थित हुए। साधुसन्त माताजी जो नही आ सके उन्होनें आशीर्वाद दिया शुभकामनाएं दी अनुमोदना करी ।मुनि श्री तथा नाम तथा गुण विनम्र सागर जी नाम के अनुसार उतने ही विनम्र है और वाणी भूषण है उनकी वाणी में श्रावकों को प्रभावित करने का वत्सलमयी आशीर्वाद है। मुनि श्री के चातुर्मास कलश स्थापना में मध्यप्रदेश शासन के केबिनेट मंत्री केलाश विजयवर्गीय जी, लोकप्रिय सांसद शंकर लालवानी जी एवम दिगम्बर जैन समाज समाजिक सांसद के अध्यक्ष राजकुमार पाटोदी सुशील पांड्या मंत्री डॉ जैनेन्द्र जैन अमित कासलीवाल एम के जैन आजाद जी जैन हंसमुख गांधी साहब राजेश लारेल भुपेंद्र जैन कमल जैन चेलेजर मनीष नायक मनोज मुकेश बाकलीवाल दीपक जैन टीनू प्रदीप बडजात्या राजु अलबेला परवार समाज महिला संगठन की अध्यक्ष श्रीमती मुक्ता जैन सारिका जैन पुष्पा जी कासलीवाल सरला जी सामरिया एवं कई वरिष्ठ नेता अधिकारी समाज श्रेष्ठियो* ने आकर आयोजन की शोभा बढ़ाई। भारी बारिश के बावजूद भी इतना विशाल पंडाल छोटा पड़ गया। कलश लेने वालों और दान देने वालो की तो होड़ सी लग गई थी जैसे आज बारिश हो रही थी उससे ज्यादा बोली ओर पैसे की बोली लग गई थी । मंच संचालन बाल ब्रह्मचारी अविनाश भैया भी बहुत गरिमामय ओर व्यवस्थित रूप से किया गया आयोजक समिति दयोदय चेरीटेबल ट्रस्ट एवं आदिनाथ दिगम्बर जैन धार्मिक पारमार्थिक ट्रस्ट छत्रपति नगर के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया आभार विपुल बांझल ने माना।